

कार्यकारिणी सारांश

ड्राफ्ट ई.आई.ए./ई.एम.पी. रिपोर्ट अछोली फ्लैगस्टोन (फर्शी पत्थर) खनन क्लस्टर में

श्री रिलेश्वर चंद्राकर, श्री मोहन लाल साहू, श्री विष्णु साहू और श्री रोशन देवांगन की फ्लैगस्टोन (फर्शी पत्थर) खनन परियोजना,

गांव – अछोली, तहसील और जिला महासमुंद, छत्तीसगढ़

कुल खनन पट्टा क्षेत्र: 4.31 हेक्टेयर

{(1.0 हेक्टेयर। (श्री रिलेश्वर चंद्राकर) 0.67 हेक्टेयर (श्री मोहन लाल साहू) 1.0 हेक्टेयर (श्री विष्णु साहू) 1.64 हेक्टेयर (श्री रोशन देवांगन)},

अछोली, फ्लैगस्टोन खदान क्लस्टर का कुल क्षेत्रफल—23.62

कुल उत्पादन क्षमता— 26,591.04 टन टन प्रति वर्ष

{ (5130— 00 (श्री रिलेश्वर चंद्राकर) 3,777.84 (श्री मोहन लाल साहू). 6,739.2 (श्री विष्णु साहू). 10,944.00 (श्री रोशन देवांगन)}

कुल परियोजना लागत रु. 72.77 लाख रु.

श्रेणी—B1

परियोजना प्रस्तावक	ईआईए सलाहकार
रिलेश्वर चंद्राकर मोहन लाल साहू विष्णु साहू रोशन देवांगन	मेसर्स ए—सीरीज एनविरोटेक इंडिया प्रा. लिमिटेड (क्यूसीआई/एनएबीईटी मान्यता प्राप्त सलाहकार), बी—107, बी ब्लॉक, सेक्टर 6, नोएडा, उत्तर प्रदेश 201301 ई—मेल: geocon-rpr@gmail-com संपर्क — 9300672000

1.1. परिचय व पृष्ठभूमि:-

अछोली फ्लैगस्टोन खदान समूह अछोली गांव (रिलेश्वर चंद्रकर की खदान) से ~0.50 की दूरी पर स्थित है। जिला मुख्यालय महासमुंद दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर ~15.0 किमी और छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर ~ 45.00 किमी, पश्चिम दिशा की ओर है और अच्छी टार सड़क से जुड़ा है।

नाम	श्री रिलेश्वर चंद्रकर	श्री मोहन लाल साहू	श्री विष्णु साहू	श्री रोशन देवांगन	कुल	अनुलग्नक संख्या
संदर्भ.- टीओआर	641 / माइन / महासमुंद / 1583 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 28 / 06 / 2021	643 / माइन / महासमुंद / 1595 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 28 / 06 / 2021	627 / माइन / महासमुंद / 1596 नवा रायपुर अटल नगर का संदर्भ , दिनांक 28 / 06 / 2021	651 / खान / महासमुंद / 1580 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 28 / 06 / 2021	-	अनुलग्नक - II
क्षेत्रफल	1.00 हेक्टेयर	0.67 हेक्टेयर	1.00 हेक्टेयर	1.64 हेक्टेयर	4.31 हेक्टेयर	अनुलग्नक - I
खसरा नं	1170	1408, 1280 / 1	79 / 2, 1307	125 / 1, 125 / 2, 127, 128 / 1, 128 / 2, 131, 132, 148 / 2	1170, 1408, 1208 / 1, 79 / 2, 1307, 125 / 1, 125 / 2, 127, 128 / 1, 128 / 2, 131, 132, 148 / 2	अनुलग्नक - I
आवेदित क्षमता	5130.00 टन प्रति वर्ष	3777.84 टन प्रति वर्ष	6739.2 टन प्रति वर्ष	10,944.00 टन प्रति वर्ष	26,591.04 टन प्रति वर्ष	अनुलग्नक-I I
ग्राम	अछोली	अछोली	अछोली	अछोली	.	अनुलग्नक - I
जिला	महासमुंद	महासमुंद	महासमुंद	महासमुंद	.	अनुलग्नक - I
आशय पत्र	पत्र संख्या 1687 / क / उत्खनिपट्टा / ख.लि. / न .क्र. 66 / 2019 महासमुंद दिनांक 25 / 11 / 2020	पत्र संख्या 805 / क / इ - निविदा / ख.लि. / न .क्र.60 / 2018 महासमुंद ,दिनांक 30 / 05 / 2019	पत्र संख्या 395 / क / इ - निविदा / ख.लि. / न .क्र.61 / 2018 महासमुंद ,दिनांक 26 / 02 / 2019	पत्र संख्या 1685 / क / उत्खनिपट्टा / ख.लि. / न .क्र. 73 / 2019 महासमुंद , दिनांक- 25 / 11 / 2020		अनुलग्नक - I
	विस्तार पत्र संख्या 09 / खनि-2 / उ. प.-अनु.निष्पा. / न. क्र.50 / 2017(4) नवा रायपुर अटल	विस्तार पत्र संख्या 4701 / खनि-2 / न.क्र.43 / 2020, नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 26.	विस्तार पत्र संख्या -4699 / खनि-2 / न.क्र. 44 / 2020 नवा रायपुर अटल नगर,दिनांक	विस्तार पत्र संख्या 10 / खनि-2 / उ.प.-अनु. निष्पा. / न.क्र. 50 / 2017(4)		

	नगर, दिनांक 01.01.2022.	11.2020.	26.11.2020,	नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 01.01. 2022		
ग्राम पंचायत द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र	ग्राम पंचायत अछोली द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र दिनांक 12/05/2016	ग्राम पंचायत अछोली द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र दिनांक 25/06/2019	ग्राम पंचायत अछोली द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र दिनांक 25/06/2019	ग्राम पंचायत अछोली द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र दिनांक 17/02/2021	-	अनुलग्नक - IV
वन कार्यालय द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र	वन कार्यालय महासमुंद का पत्र संख्या 6094 दिनांक 17/12/ 2018	वन कार्यालय महासमुंद का पत्र संख्या 3908 दिनांक 23/07 /2018	वन कार्यालय महासमुंद का पत्र संख्या 3910 दिनांक 23/07/2018	वन कार्यालय महासमुंद का पत्र संख्या 581 दिनांक 25/01/2019	-	अनुलग्नक - V
खान योजना का अनुमोदन पत्र	पत्र संख्या - 793/खनि 02/मा .प्ल. अनुमोदन /न.क्र. 02/2019 (3) नवा रायपुर दिनांक-06/02 /2021	पत्र संख्या - 870-2/ख.लि /तीन -6/2019 रायपुर दिनांक 15/07/2019,	पत्र संख्या - 873-2/ख.लि /तीन -6/2019 रायपुर दिनांक 15/07/2019,	पत्र संख्या - 795/खनि 02/मा .प्ल. अनुमोदन /न. क्र.02/2019 (3) नवा रायपुर दिनांक-06/02 /2021	-	अनुलग्नक - III
जियोलाजि कल रिसर्वस	1,44,000 टन	96,480 टन	1,44,000 टन	2,36,160.00 टन	6,20,640 टन	अनुलग्नक - III
रिकवरेबल रिसर्वस	रिजेक्ट्स ऑफ फ्लैगस्टोन (फर्शी पत्थर) - 2,478. 13 टन रिसर्वस ऑफ फ्लैगस्टोन (फर्शी पत्थर)- 47084.51 टन	रिजेक्ट्स ऑफ फ्लैगस्टोन (फर्शी पत्थर) - 3,063. 74 टन रिसर्वस ऑफ फ्लैगस्टोन (फर्शी पत्थर) - 27,573.70 टन	रिजेक्ट्स ऑफ फ्लैगस्टोन (फर्शी पत्थर) - 6,297. 90 टन रिसर्वस ऑफ फ्लैगस्टोन (फर्शी पत्थर) - 56,681.21 टन	रिजेक्ट्स ऑफ फ्लैगस्टोन (फर्शी पत्थर) - 5,361.20 टन रिसर्वस ऑफ फ्लैगस्टोन (फर्शी पत्थर) - 1,01,862.65 टन	रिजेक्ट्स ऑफ फ्लैगस्टोन (फर्शी पत्थर) - 17200.97 टन रिसर्वस ऑफ फ्लैगस्टोन (फर्शी पत्थर) - 23,32,202. 07 टन	अनुलग्नक - III
	कुल रिकवरेबल रिसर्वस - 49,562.64 टन	कुल रिकवरेबल रिसर्वस - 30,637.44 टन	कुल रिकवरेबल रिसर्वस - 62,979.11 टन	कुल रिकवरेबल रिसर्वस - 1,07,223.85 टन	कुल रिकवरेबल रिसर्वस - 2,50,403.04 टन	अनुलग्नक - III
अधिकतम वार्षिक खनन क्षमता	5,130.00 टन प्रति वर्ष	3,777.44 टन प्रति वर्ष	6,739.2 टन प्रति वर्ष	10,944.00 टन प्रति वर्ष	26591.04 टन प्रति वर्ष	टीओआर अनुलग्नक - II
क्लस्टर क्षेत्र	23.62 हेक्टेयर	23.62 हेक्टेयर	23.62 हेक्टेयर	23.62 हेक्टेयर	-	अनुलग्नक - VI
परियोजना	16.10/- लाख	13.05/- लाख	20.012/- लाख	23.70/- लाख	72.77/-	-

की लागत	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लाख रुपये
---------	-------	-------	-------	-------	-----------

यह अध्ययन एसरीज एनवायरोटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , कंसल्टेंट द्वारा किया गया था। एसरीज एनवायरोटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (ईआईपीएल) नोएडा, ईआईपीएल शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए एक राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीईटी) मान्यता प्राप्त सलाहकार संगठन (एसीओ) है और परियोजना/गतिविधि 1 (ए) (खनिजों का खनन) के लिए ईआईए रिपोर्ट तैयार करने के लिए योग्य है, नियामकों को पर्यावरण अनुमति/सहमति प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए इस तरह के अध्ययन प्रस्तुत करने वाली एजेंसियों के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है।

पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन रिपोर्ट निम्नलिखित बिन्दुओं पर आधारित है:-

- खनन परियोजना को केन्द्र मानते हुए 10 किलोमीटर त्रिज्या के अध्ययन क्षेत्र से पर्यावरण के विभिन्न क्षेत्रीय तथ्यों यथा वायु, जल, भूमि, मौसमीय ध्वनि, जीव जन्तु, कृषि तथा सामाजिक आर्थिकी के आंकड़ों का एकत्रीकरण।
- ओपन कास्ट खनन विधि का अध्ययन, जल मांग, प्रदूषण के स्रोत व प्रदूषण नियन्त्रण स्रोतों का अध्ययन।
- पारिस्थिकी सम्भावित व हरित पट्टी का विकास।

प्रस्तुत पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन रिपोर्ट में वर्तमान पर्यावरणीय परिवेश पर प्रभाव का आंकलन है और वायु, ध्वनि, जल, भूमि प्रदूषणों को भविष्य में कम करने के प्रयासों को निहित करते हुए पर्यावरणीय प्रबन्धन की योजना की विवेचना भी है।

1.2 स्थान और पर्यावरण सेटिंग-

क्रमांक	विवरण	स्थिति
अ.	परियोजना का प्रकार	श्री रिलेश्वर चंद्रकर, श्री. मोहन लाल साहू, श्री. विष्णु साहू और श्री रोशन देवांगन की प्रस्तावित फ्लैगस्टोन खनन परियोजना
ब.		परियोजना का आकार
1.	खनन क्षेत्र	4.31 हेक्टेयर {(1 हेक्टेयर (श्री रिलेश्वर चंद्रकर). 0.67 हेक्टेयर (श्री मोहन लाल साहू). 1 हेक्टेयर (श्री विष्णु साहू). 1.64 हेक्टेयर (श्री रोशन देवांगन)}
3.	उत्पादन क्षमता	26,591.04 टन प्रति वर्ष { (5130.00 (श्री रिलेश्वर चंद्रकर). 3,777.84 (श्री मोहन लाल साहू), 6,739.2 (श्री विष्णु साहू), 10,944.00 (श्री रोशन देवांगन)}
स.		स्थान विवरण
4.	ग्राम	अछोली

5.	तहसील	महासमुंद					
6.	जिला	महासमुंद					
7.	राज्य	छत्तीसगढ़					
8.	टोपोशीट	64K/4					
डी.	क्षेत्र का पर्यावरण सेटिंग्स						
1.	पारिस्थितिक संवेदनशील क्षेत्र	खनन पट्टे के 15 किमी के दायरे में प्रजनन, घोंसले के शिकार, चारागाह, विश्राम, अधिक सर्दी, प्रवास के लिए वनस्पतियों या जीवों की कोई संरक्षित, महत्वपूर्ण या संवेदनशील प्रजाति नहीं है। कुछ जंगल बफर जोन में मौजूद हैं: वन क्षेत्र परियोजना स्थल से 8.0 किमी दूर है।					
2.	नदी/जल निकाय	क्रं.	विवरण	श्री रिलेश्वर चंद्राकर	श्री मोहन लाल साहू	श्री विष्णु साहू	श्री रोशन देवांगन
		1.	महानदी नदी	~2.0 किमी, उत्तर-पश्चिम	~1.50 किमी, पश्चिम	~0.760 किमी उत्तर-पश्चिम।	~0.250 किमी, उत्तर-पश्चिम
		2.	कोडार नाला	~0.750 किमी, पश्चिम	~0.260 किमी, दक्षिण।	~0.105 किमी, पश्चिम	~0.175किमी, पश्चिम
		3.	गांव तालाब	~0.360 किमी, दक्षिण-पश्चिम	~1.15 किमी, पूर्व	~0.650 किमी, दक्षिण-पूर्व	~1.15 किमी, दक्षिण-पूर्व
		4.	नहर	~0.390 किमी, उत्तर-पूर्व	~0.660 किमी, उत्तर-पूर्व	~0.535 किमी, पश्चिम	~0.740 किमी, पूर्व
		5.	कोडार जलाशय	~12.60किमी, दक्षिण-पूर्व	~13.30 किमी, पूर्व	~13.60 किमी, दक्षिण-पूर्व	~13.90 किमी, दक्षिण-पूर्व
3.	निकटतम मानव आवास	श्री रिलेश्वर चंद्राकर	श्री मोहन लाल साहू	श्री विष्णु साहू	श्री रोशन देवांगन		
		अछोली (~50.0 मीटर, पश्चिम दिशा।)	अछोली (~0.4 किमी, दक्षिण-पूर्व दिशा।)	अछोली (~1.0 किमी, दक्षिण-पूर्व दिशा)	अछोली (~1.30 किमी, दक्षिण-पूर्व दिशा)		
4.	निकटतम शहर	महासमुंद (~15.00 किमी, दक्षिण-पूर्व दिशा)	महासमुंद (~15 किमी, दक्षिण-पूर्व दिशा)	महासमुंद (~15.33 किमी, दक्षिण-पूर्व दिशा)	महासमुंद (~16.00 किमी, दक्षिण-पूर्व दिशा)		
5.	राष्ट्रीय हाईवे	एनएच-6 खदान स्थल से दक्षिण दिशा की ओर 4.80 किमी (रायपुर-पिथौरा रोड) की दूरी पर।	एनएच-6 खदान स्थल से दक्षिण दिशा की ओर 5.0 किमी (रायपुर-आरंग रोड) की दूरी पर।	एनएच-6 खदान स्थल से दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर 5.00 किमी (रायपुर-आरंग रोड) की दूरी पर।	एनएच-6 खदान स्थल से दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर 6.20 किमी (रायपुर - पिथौरा रोड) की दूरी पर।		

6.	स्टेट हाईवे	राज्य राजमार्ग (राजिम-फिंगेश्वर-महासमुंद) सड़क 17.60 किमी दक्षिण-पूर्व की ओर।	राज्य राजमार्ग (राजिम-फिंगेश्वर-महासमुंद) सड़क खदानस्थल से दक्षिण की ओर 30.0 किमी।	राज्य राजमार्ग (राजिम-फिंगेश्वर महासमुंद) सड़क खदान स्थल से दक्षिण की ओर 18.70 किमी।	राजिम-फिंगेश्वर-महासमुंद मार्ग खदान स्थल से दक्षिण पूर्व की ओर 19.15 किमी.
7.	निकटतम रेलवे स्टेशन	दक्षिण की ओर ~9.30 किमी पर बेलसोंडा स्टेशन।	बेलसोंडा रेलवे स्टेशन ~ 9.20 किमी, दक्षिण।	बेलसोंडा रेलवे स्टेशन ~9.50 किमी, दक्षिण।	बेलसोंडा रेलवे स्टेशन/रेलवे लाइन (दक्षिण दिशा में ~10.15 किमी)
8.	निकटतम हवाई अड्डा	रायपुर हवाई अड्डा ~33.35 किमी पर, खदान सीमा से दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर	रायपुर हवाई अड्डा ~33.45 किमी पर, खदान से दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर।	रायपुर हवाई अड्डा ~33.20 किमी पर, खदान सीमा से दक्षिण पश्चिम दिशा की ओर।	रायपुर हवाई अड्डा दक्षिण-पश्चिम दिशा में ~32.50 किमी।
9.	राज्य की सीमा	अध्ययन क्षेत्र के भीतर नहीं है।			
10.	भूकंपीय क्षेत्र	क्षेत्र II [आईएस 1893 के अनुसार (भाग-I): 2002]			
ई.	लागत विवरण				
1.	परियोजना लागत	72.77 लाख (16.01 लाख- श्री रिलेश्वर चंद्रकर , 13.05 लाख- श्री मोहन लाल साहू , 20.012 लाख- श्री विष्णु साहू , एवं 23.70 श्री रोशन देवांगन)			
क्रं.	ब्यौरे	विवरण			
एफ	परियोजना कि आवश्यकताएं				
1.	पानी की आवश्यकता			18.75 के एल.डी.	
2.	ईंधन की आवश्यकता			100	
3.	मानव शक्ति की आवश्यकता			33	

1.3 परियोजना क्रोनोलॉजी

1. परियोजना प्रस्ताव के लिए ऑनलाइन फाइल अर्थात् फॉर्म-1 (ईआईए अधिसूचना 2006 के अनुसार, जैसा कि अब तक संशोधित है) पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट, स्वीकृत खनन योजना और पर्यावरण अध्ययन के लिए प्रस्तावित संदर्भ की शर्तों (टीओआर) के साथ राज्य पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण छत्तीसगढ़ को प्रस्तुत किया गया था।

क्रमांक	पट्टेदार	जमा करने की तिथि
1	श्री रिलेश्वर चंद्रकर	04 / 03 / 2021
2	श्री मोहन लाल साहू	12 / 03 / 2021

3	श्री विष्णु साहू	12 / 03 / 2021
4	श्री रोशन देवांगन	03 / 03 / 2021

2. पहली तकनीकी प्रस्तुति के संबंध में विवरण नीचे दिया गया है-

क्रमांक	पट्टेदार	एसईएसी बैठक की संख्या	प्रस्तुति की तिथि
1	श्री रिलेश्वर चंद्राकर	367 ^{वा}	4 / 05 / 2021
2	श्री मोहन लाल साहू	368 ^{वा}	5 / 05 / 2021
3	श्री विष्णु साहू	368 ^{वा}	5 / 05 / 2021
4	श्री रोशन देवांगन	371 ^{वा}	28 / 05 / 2021

3. टीओआर का विवरण इस प्रकार है-

क्रमांक	पट्टेदार	टीओआर पत्र संख्या	तिथि
1	श्री रिलेश्वर चंद्राकर	641 / माइन / महासमुंद / 1583, नया रायपुर, अटल नगर	28/06/2021
2	श्री मोहन लाल साहू	643 / माइन / महासमुंद / 1595, नया रायपुर, अटल नगर	28/06/2021
3	श्री विष्णु साहू	627 / माइन / महासमुंद / 1596, नया रायपुर, अटल नगर	28/06/2021
4	श्री रोशन देवांगन	651 / माइन / महासमुंद / 1580, नया रायपुर, अटल नगर,	28/06/2021

1.4 परियोजना स्थिति का विवरण

1.4.1 अध्ययन क्षेत्र एक दृष्टि में:-

अध्ययन क्षेत्र 2010 के दौरान पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित खनिज खनन के लिए क्षेत्र विशिष्ट ईआईए मार्गदर्शन मैनुअल के प्रावधानों के अनुसार लिया गया है। फर्शी पत्थर (फ्लैगस्टोन) खनन परियोजना के लिए अध्ययन क्षेत्र इस प्रकार था-

- प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र - कोर जोन
- प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र की सीमा से 10 किलोमीटर त्रिज्या का क्षेत्र-बफर जोन।

1.4.2 उपयोगिता

खनन के लिए आवश्यकता

क्रं.	उपयोग	पानी की आवश्यकता				कुल पानी की आवश्यकता
		श्री रिलेश्वर चंद्राकर (1.00 हे).	श्री मोहन लाल साहू (0.67 हे).	श्री विष्णु साहू (1.00 हे).	श्री रोशन देवांगन (1.64 हे).	

पी. 1.	घरेलू उद्देश्य /25 लीटर/कर्मचारी	175 लीटर/दिन (7 कामगारों के लिए x 25 लीटर/दिन) 0.18 केएलडी	150लीटर/दिन (6 श्रमिकों के लिए x 25 लीटर/दिन) 0.15 केएलडी	200 लीटर/दिन (8 श्रमिकों के लिए x 25 लीटर/दिन) 0.20 केएलडी	300लीटर/दिन (12 कामगारों के लिए x 25 लीटर/दिन 300 लीटर/ दिन) 0. 30केएलडी	0.83 केएलडी
2.	स्टोन कटिंग / वेट कटिंग	(उसी पानी का उपयोग पुनर्चक्रण के माध्यम से किया जाता है) 0.50 केएलडी	(उसी पानी का उपयोग पुनर्चक्रण के माध्यम से किया जाता है) 0.50 केएलडी	(उसी पानी का उपयोग पुनर्चक्रण के माध्यम से किया जाता है) 0.50 केएलडी	(उसी पानी का उपयोग पुनर्चक्रण के माध्यम से किया जाता है) 0.50 केएलडी	2.00 केएलडी
3.	धूल दमन / 0. 5 लीटर / वर्गमीटर (दिन में दो बार)	हॉल रोड क्षेत्र = (500 मीटर लंबाई (4 मीटर चौड़ाई = 2000 वर्ग मीटर)X 0.5 ली/वर्गमीटर = 1000 X लीटर/दिन 2समय = 2000 लीटर/दिन 2 केएलडी	हॉल रोड क्षेत्र = (500 मीटर लंबाई (4 मीटर चौड़ाई = 2000 वर्गमीटर)X 0.5 ली/वर्गमीटर = 1000 X लीटर/दिन 2समय = 2000 लीटर/दिन 2 केएलडी	हॉल रोड क्षेत्र = (500 मीटर लंबाई (4 मीटर चौड़ाई = 2000 वर्गमीटर)X 0. 5ली/वर्गमीटर = 1000 X लीटर/दिन 2समय = 2000 लीटर/दिन 2 केएलडी	हॉल रोड क्षेत्र = (500 मीटर लंबाई (4 मीटर चौड़ाई = 2000 वर्गमीटर)X 0. 5ली/वर्गमीटर = 1000 X लीटर/दिन 2समय = 2000 लीटर/दिन 2 केएलडी	8.00 केएलडी
4.	ग्रीनबेल्ट विकास / 2.5 लीटर/पेड़	813 पेड़ X 2. 5 लीटर/दिन= 2032.5 लीटर/दिन 2.03 केएलडी	573 पेड़ X 2.5 लीटर/दिन= 1432.50 लीटर/दिन 1.43 केएलडी	673पेड़ X 2.5 लीटर/दिन= 1682.50 लीटर/दिन 1.68 केएलडी	1113 पेड़ X 2. 5 लीटर/दिन= 2782.50 लीटर/दिन 2.78 केएलडी	7.92 केएलडी
	कुल	4.71केएलडी	4.08केएलडी	4.38केएलडी	5.58 केएलडी	18.75 केएलडी

1.4.3 स्थलाकृति, नदी नाला, क्षेत्रीय भूविज्ञान

श्री रिलेश्वर चंद्राकर – क्षेत्र की स्थलाकृति समतल भूमि है। पत्थर पूरे पट्टा क्षेत्र में मिट्टी के नीचे दब गया है। सामान्य ढाल दक्षिण-पश्चिम की ओर है। पट्टा क्षेत्र के सभी भागों में लागू क्षेत्र की ऊंचाई 267 मीटर AMSL है।

श्री मोहन लाल साहू – क्षेत्र की स्थलाकृति समतल भूमि है। पत्थर पूरे पट्टा क्षेत्र में मिट्टी के नीचे दब गया है। सामान्य ढाल दक्षिण की ओर है। अनुप्रयुक्त क्षेत्र की अधिकतम ऊंचाई उत्तरी भाग में 265 मीटर एएमएसएल है जबकि लीज क्षेत्र के दक्षिणी भाग में सबसे निचला भाग 263 मीटर एएमएसएल है।

श्री विष्णु साहू – क्षेत्र की स्थलाकृति समतल भूमि है। पत्थर पूरे पट्टा क्षेत्र में मिट्टी के नीचे दब गया है। लागू क्षेत्र की ऊंचाई लगभग 261 मीटर एएमएसएल पट्टा क्षेत्र के लगभग पूरे हिस्से में है। हालाँकि सामान्य ढलान को पश्चिम की ओर माना जाता है।

श्री रोशन देवांगन – क्षेत्र की स्थलाकृति समतल भूमि है। पत्थर पूरे पट्टा क्षेत्र में मिट्टी के नीचे दब गया है। सामान्य ढाल पश्चिम की ओर है। अनुप्रयुक्त क्षेत्र की अधिकतम ऊंचाई पूर्वी भाग में 261 मीटर एएमएसएल है जबकि सबसे निचला भाग पट्टा क्षेत्र के पश्चिमी भाग में 260 मीटर एएमएसएल है।

सभी चार लागू क्षेत्र किसी भी वनस्पति से रहित हैं।

वर्तमान में कोई जल स्रोत नहीं है, जो पट्टा क्षेत्र और उसके आसपास से गुजर रहा हो। खनन के समय उचित सावधानी बरती जाएगी। अनुप्रयुक्त खदानों से जलाशयों की दूरी नीचे दी गई है—

2.	नदी/जल निकाय	क्रं.	विवरण				
				श्री रिलेश्वर चंद्राकर	श्री मोहन लाल साहू	श्री विष्णु साहू	श्री रोशन देवांगन
		1.	महानदी नदी	~2.0 किमी, उत्तर-पश्चिम	~1.50 किमी, पश्चिम	~0.760 किमी, उत्तर-पश्चिम।	~0.250 किमी, उत्तर-पश्चिम
		2.	कोडार नाला	~0.750 किमी, पश्चिम	~0.260 किमी, दक्षिण।	~0.105 किमी, पश्चिम	~0.175किमी, पश्चिम
		3.	गांव तालाब	~0.360 किमी, दक्षिण-पश्चिम	~1.15 किमी, पूर्व	~0.650 किमी, दक्षिण-पूर्व	~1.15 किमी, दक्षिण-पूर्व
		4.	नहर	~0.390 किमी, उत्तर-पूर्व	~0.660 किमी, उत्तर-पूर्व	~0.535 किमी, पश्चिम	~0.740 किमी, पूर्व
		5.	कोडार जलाशय	~12.60किमी, दक्षिण-पूर्व	~13.30 किमी, पूर्व	~13.60 किमी, दक्षिण-पूर्व	~13.90 किमी, दक्षिण-पूर्व

1.4.4 स्थानीय भूविज्ञान

पट्टा क्षेत्र छत्तीसगढ़ के रायपुर समूह के चारमुरिया गठन का एक हिस्सा है, मेसो के सुपरग्रुप से नियो प्रोटेरोज़ोइक युग में खंडित चूना पत्थर शामिल हैं। गठन का क्रम इस प्रकार है—

मेसो से नियो प्रोटेरोज़ोइक	छत्तीसगढ़ सुपरग्रुप	रायपुर ग्रुप	चारमुरिया गठन	बैंगनी चूना पत्थर, गहरे भूरे रंग के स्तरित खंडित चूना पत्थर

1.4.5 माईनेबल रिजर्व एवं खान की आयु

रिजर्व्स	श्री रिलेश्वर चंद्राकर	श्री मोहन लाल साहू	श्री विष्णु साहू	श्री रोशन देवांगन	कुल
1) भूवैज्ञानिक रिजर्व्स (टन में)	1,44,000 टन	96,480 टन	1,44,000 टन	2,36,160 टन	6,20,640 टन
i) सीमा के नीचे रिजर्व्स अवरुद्ध कम. (less)	58,608 टन	41,212.80 टन	48,398.4 टन	79,516.80 टन	2,27,736.00 टन
खदानों के बैंच के अवरुद्ध रिजर्व्स कम. (less)	33,220.80 टन	21,225.60 टन	25,624.80 टन	43,776 टन	1,23,874.20 टन
2) खनन योग्य भंडार (1 & i & ii) (टन में)	52,171.20 टन	34,041.6 टन	69,976.8 टन	11,2867.20 टन	2,69,056.80 टन
कम. (less)	2,608.56 टन	3,404.16 टन	6,997.68 टन	5,643.36 टन	18,653.76 टन
iii) खान हानि -10% खनन योग्य भंडार (टन में)	2,478.13 टन	3,063.74 टन	6,297.91 टन	5,361.19 टन	17,200.97 टन
3) फ्लैगस्टोन का पुनर्प्राप्त करने योग्य भंडार (2 -iii- iv)	47,084.51 टन	27,573.70 टन	56,681.21 टन	1,01,862.65 टन	233202.07 टन
3) पत्थर का कुल वसूली योग्य भंडार (3+IV)	49562.64 टन	30,637.44 टन	62,979.12 टन	1,07,223.84 टन	2,50,403.04 टन
3) उत्पन्न होने वाली शीर्ष मिट्टी	17,790 क्यू.मी.	11,514 क्यू.मी.	1,9917 क्यू.मी.	3,2634 क्यू.मी.	81,855 क्यू.मी.

1.5 खान की आयु

क्रमांक	विवरण	श्री रिलेश्वर चंद्राकर	श्री मोहन लाल साहू	श्री विष्णु साहू	श्री रोशन देवांगन
1	अनुमानित वसूली योग्य भंडार	20,651.10 घन मीटर या 49,562.64	11,489.04 घन मीटर या 27,573.70 टन	23,617 घन मीटर या 56,681.21 टन	44,676.60 घन मीटर या 10,7223.84 टन
2	प्रति वर्ष उत्पादन की औसत दर पंचवर्षीय योजना के दौरान	2,080.5 घन मीटर या 4,993.2 टन	1,110.51 घन मीटर या 2,665.22 टन	2,297.81 घन मीटर या 5,514.74 टन	4,491.6 घन मीटर या 10,779.84 टन

3	पंचवर्षीय योजना के बाद उत्पादन की अपेक्षित दर	2,049.15 घन मीटर या 4,917.96 टन	11,873 घन मीटर या 2,849.52 टन	2,425.63 घनमीटर या 5,821.5 टन	4,443.72 घनमीटर या 10,664.93 टन
4	स्वीकृत अवधि	पट्टा समझौते की तिथि से 30 वर्ष	पट्टा समझौते की तिथि से 30 वर्ष	पट्टा समझौते की तिथि से 30 वर्ष	पट्टा समझौते की तिथि से 30 वर्ष
5	पंचवर्षीय योजना	10 वर्ष	10 वर्ष	10 वर्ष	10 वर्ष
6	इस प्रकार खदान का प्रत्याशित जीवन	लगभग 10 वर्ष। (खदान की गहराई से 9 मीटर तक सतह स्तर)	लगभग 10 वर्ष। (खदान की गहराई से 9 मीटर तक सतह स्तर)	लगभग 10 वर्ष। (खदान की गहराई से 9 मीटर तक सतह स्तर)	लगभग 10 वर्ष। (खदान की गहराई से 9 मीटर तक सतह स्तर)

1.5.1 खनन विधि

खनन का तरीका ओपनकास्ट माइनिंग मेथड होगा। काम करने का तरीका मैनुअल होगा।

उत्खनन द्वारा केवल ऊपर की मिट्टी को हटाया जाएगा और खदान की सतह पर पत्थर की परत पर पत्थर की कटाई स्टोन कटर द्वारा की जाएगी बाकी अन्य सभी कार्य जैसे खुदाई और आकार आदि स्थानीय श्रमिकों द्वारा कठोर छेनी द्वारा मैनुअल रूप से किए जाएंगे। ट्रैक्टरों पर आकार के पत्थर की लोडिंग स्थानीय मजदूरों की मदद से मैनुअल रूप से की जाएगी। स्थानीय मजदूरों की मदद से मैनुअल रूप से फ्लैगस्टोन का परिवहन किया जाएगा। फ्लैगस्टोन का परिवहन ट्रैक्टरों द्वारा किया जाएगा। हैंड ब्रोकन स्टोन चिप को भी ट्रैक्टरों पर मैनुअली लोड किया जाएगा।

बेंच के साथ रैंप का ग्रेडिएंट 1:15 यानी हर 1 मीटर गहराई के लिए 15 मीटर लंबा रैंप बनाए रखा जाएगा। रैंप की चौड़ाई 3 मीटर होगी।

बेंचों की चौड़ाई बेंचों की ऊंचाई के समान रखी जाएगी। खदान को 3 मीटर ऊंचाई • 3 मीटर चौड़ाई की 3 बेंचों में विकसित किया जाएगा, जिसमें से पहली बेंच ऊपर की मिट्टी की होगी और तीसरी बेंच फ्लैगस्टोन की होगी यानी 3 मीटर ऊंचाई की आखिरी बेंच होगी। तथापि, खनन प्रचालन की प्रगति के दौरान खदान को 1.5 मीटर-1.5 मीटर उप-बेंचों की ऊंचाई में काम किया जाएगा। अंत में माइन बाउंड्री बेंचों को 3m (H) X 3m (W) में बदल दिया जाएगा।

मशीनों की सूची

क्रमांक	मशीनरी का नाम	संख्या			
		श्री रिलेश्वर चंद्रकर (1.00 हे).	श्री मोहन लाल साहू (0.67 हे).	श्री विष्णु साहू (1.00 हे).	श्री रोशन देवांगन (1.64 हे).
1	ट्रैक्टर	1	1	1	1
2	पानी का टैंकर	1	1	1	1
3	डिवाटरिंग पंप	1	1	1	1
4	स्टोन कटर	1	1	1	1

कुल	4	4	4	4
-----	---	---	---	---

1.6 दीर्घकालिक मौसम विज्ञान (माध्यमिक डेटा)

बाद के पैराग्राफों में प्रस्तुत जानकारी भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) रायपुर माना, लॉन्ग टर्म क्लाइमेटोलॉजिकल टेबल्स, 1971-2000 से है। ये तालिकाएँ किसी क्षेत्र के मौसम के बारे में उपयोगी जानकारी देती हैं, क्योंकि इसे 30 वर्षों की अवधि में एकत्र किया गया था।

1.6.1 तापमान

तापमान में वृद्धि के साथ मार्च से मई तक का महीना सबसे गर्म माना जाता है। मई आमतौर पर सबसे गर्म महीना होता है, जिसका औसत दैनिक अधिकतम तापमान लगभग 38.0 डिग्री सेल्सियस और औसत दैनिक न्यूनतम लगभग 24.1 डिग्री सेल्सियस होता है। 22 मई 1912 को रायपुर में उच्चतम तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नवंबर से, दिन और रात दोनों तापमान तेजी से घटने लगते हैं। दिसंबर आम तौर पर सबसे ठंडा महीना होता है, जहां औसत दैनिक अधिकतम तापमान लगभग 27.8 डिग्री सेल्सियस और औसत दैनिक न्यूनतम लगभग 11.1 डिग्री सेल्सियस होता है।

1.6.2 वायु

लंबी अवधि की हवा की दिशा के आंकड़े बताते हैं कि अध्ययन अवधि (9 मार्च से 15 जून)-2021 के दौरान प्रमुख हवा दक्षिण पश्चिम है और दूसरी प्रमुख हवा की दिशा पश्चिम है।

1.6.3 वर्षा

जिले में वार्षिक वर्षा लगभग 1258 मिमी है। वर्षा दक्षिण से उत्तर की ओर थोड़ी बढ़ जाती है। कुल वार्षिक वर्षा में से, 90% दक्षिणपंथी मानसून में 15 जून से 15 अगस्त के बीच होती है। उपोष्णकटिबंधीय जलवायु के कारण अधिकतम तापमान 33.8 से 44.2 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है जबकि आर्द्रता 35% और 85% के बीच होती है।

1.6.4 सापेक्ष आर्द्रता

अधिकांश आर्द्र स्थितियां मानसून में पाई गई हैं।, उसके बाद मानसून के बाद, सर्दी और गर्मी इसी क्रम में पाई गईं। सुबह शाम की तुलना में अधिक आर्द्र थी और मानसून की सुबह में आर्द्रता 88-82% से लेकर गर्मियों की शाम में 53-34% के निचले स्तर तक थी।

1.6.5 स्थल विशिष्ट मौसम विज्ञान

गर्मी के मौसम 2021 (9 मार्च से 15 जून) का प्रतिनिधित्व करने वाले आधारभूत मौसम संबंधी आंकड़े परियोजना स्थल के पास एकत्र किए गए थे।

मौसम विज्ञान के आंकड़ों से पता चला है कि अध्ययन अवधि के दौरान औसत हवा की गति 6.08 मीटर/सेकंड देखी गई थी। यह देखा गया कि अध्ययन अवधि के दौरान हवा दक्षिण- पश्चिम से प्रमुखता से चलती है और दूसरी पूर्व प्रमुख दिशा पश्चिम है। अध्ययन अवधि के दौरान प्राप्त आंकड़ों को औसत डेटा प्राप्त करने के लिए संकलित किया गया था।

1.7 मौजूदा पर्यावरण परिदृश्य

1.7.1 भूमि उपयोग

अध्ययन क्षेत्र का भूमि उपयोग

भू-संदर्भ और व्याख्या के बाद जीआईएस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके हाल ही में लैंडसैट उपग्रह छवि का उपयोग करके अध्ययन क्षेत्र का भूमि उपयोग भूमि कवर मानचित्र तैयार किया गया है, क्षेत्र और दूरी की गणना की गई है। कुल भूमि 26,032.30 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है। जिसमें से 5389.42 (20.70%) निर्मित भूमि, 7532.26 (28.94%) फसल भूमि, 3489.52 (13.41%) परती भूमि, 2367.92 (9.09%) वन भूमि, 3721.07 (14.29%) बंजर भूमि, एवं जल निकाय/नदी 3532.11 (13.57%) है।

1.7.2 मिट्टी की गुणवत्ता

अध्ययन क्षेत्र की मिट्टी की बनावट मुख्यतः बलुई दोमट है। मिट्टी का pH 7.26 से 7.95 के बीच होता है। मिट्टी भुरभुरी होने के कारण मिट्टी का घनत्व 1.2 से 1.8 ग्राम/सेमी³ के बीच है। मिट्टी के नमूनों की कार्बनिक कार्बन सामग्री 0.35 से 0.67 मिलीग्राम/100 ग्राम तक भिन्न होती है।

1.7.3 परिवेशी वायु गुणवत्ता

उपरोक्त विश्लेषण रिपोर्ट से पता चलता है कि चूंकि यह खदान नहीं चल रही है और राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात भी कम है, इसलिए गाँव में जनसंख्या अधिक नहीं है। बेसलाइन परिवेशी वायु गुणवत्ता NAAQS की अनुमेय सीमा के भीतर पाई गई।

1.7.4 शोर

दिन के समय शोर का स्तर (Leq दिन)

- ✓ अध्ययन क्षेत्र में दिन के समय (Leq दिन) ध्वनि स्तर 48.5 से 51.7 dB (A) के बीच पाया गया जो आवासीय क्षेत्र में 55 dB (A) की निर्धारित सीमा के भीतर है।
- ✓ अध्ययन क्षेत्र में खान स्थल पर दिन के समय (Leq दिन) ध्वनि स्तर 60.2 से 62.5 dB (A) के रूप में देखा गया जो 75 dB (A) की निर्धारित सीमा के भीतर है।

रात के समय शोर का स्तर (Leq रात)

- ✓ रात के समय (Leq रात) शोर का स्तर 38.5 से 41.7 dB (A) के बीच पाया गया जो आवासीय क्षेत्र में 45 dB (A) की निर्धारित सीमा के भीतर है।
- ✓ खदान स्थल पर रात के समय (Leq रात) शोर का स्तर 47.6 से 49.5 dB (A) के बीच पाया गया जो कि 70 dB (A) की निर्धारित सीमा के भीतर है।

1.7.5 जल पर्यावरण

भूजल गुणवत्ता

विश्लेषण के परिणामों से पता चलता है कि भूजल के नमूने GW1, GW2, GW3, GW4, GW5 और GW6 के लिए पीएच 7.24 से 7.71 के बीच है जो प्रकृति में थोड़ा क्षारीय दर्शाता है। टीडीएस (टोटल डिस्सॉल्व्ड सॉलिड्स) 438.0 मिलीग्राम/ली से 513.0 मिलीग्राम/ली की सीमा में पाया गया जो 2000 मिलीग्राम/ली की अनुमेय सीमा के भीतर है। अध्ययन क्षेत्र में भूजल के नमूनों की

कुल कठोरता 205–240 मिलीग्राम/ली पाई गई जो अनुमेय सीमा के भीतर है। क्षारीयता पानी की बेहतर बफरिंग क्षमता का संकेत देती है और 176.0–202.0 mg/l के बीच होती है।

फ्लोराइड की मात्रा 0.47 mg/l – 0.92 mg/l से भिन्न होती है जो कि अनुमेय सीमा के भीतर है। अध्ययन क्षेत्र में समग्र भूजल गुणवत्ता कुल घुलित ठोस, क्लोराइड (54.0 मिलीग्राम/ली से 71.0 मिलीग्राम/ली), सल्फेट (22.0 मिलीग्राम/ली से 36.0 मिलीग्राम/ली) और कठोरता के संबंध में खनिजयुक्त पाया गया।

सतही जल गुणवत्ता

सतही जल के नमूने एकत्र किए गए, और उनका विश्लेषण किया गया, पीएच मान 7.42 से 7.52 मिलीग्राम/लीटर पाया गया जो दर्शाता है कि सतही जल प्रकृति में क्षारीय है। टीडीएस 408 से 432 मिलीग्राम/लीटर पाया गया। घुलित ऑक्सीजन लगभग 6.1 और 6.5 मिलीग्राम/लीटर पाई गई। यह देखा गया है कि क्लोराइड, कैल्शियम, मैग्नीशियम, नाइट्रेट और फ्लोराइड जैसे अन्य मापदंडों का भौतिक-रासायनिक विश्लेषण वांछनीय सीमा के भीतर पाया गया। अध्ययन क्षेत्र के भीतर उपलब्ध स्रोतों की समग्र सतही जल गुणवत्ता सभी मापदंडों के संबंध में भौतिक-रासायनिक रूप से अच्छी पाई गई। निगरानी के स्रोतों में कोई जैविक भार नहीं देखा गया है जो दर्शाता है कि स्रोत जैविक पर्यावरण में कोई प्रदूषण भार नहीं है।

पारिस्थितिक अध्ययन— अध्ययन क्षेत्र के मौजूदा वनस्पतियों और जीवों पर औद्योगिकरण और शहरीकरण के प्रभाव को समझने के लिए पारिस्थितिक अध्ययन आवश्यक है।

खनन पट्टे के 10 किमी के दायरे में कोई वन्यजीव अभ्यारण्य, राष्ट्रीय उद्यान, बायोस्फीयर रिजर्व, वन्यजीव गलियारे, बाघ/हाथी अभ्यारण्य नहीं है।

1.7.6 सामाजिक आर्थिक स्थिति

अध्ययन क्षेत्र में 10 किमी के के साथ त्रिज्या दायरे के साथ में 26 गांव शामिल हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 45,187 है। 2011 की जनगणना के अनुसार, लगभग 21,553 कामकाजी आबादी है।

1.7.7 वायु पर्यावरण पर प्रभाव

- गर्मी के मौसम में दिन में दो बार और सर्दी के मौसम में दिन में एक बार धूल के कणों के जमने के लिए पानी का छिड़काव किया जाएगा।
- खनिज का परिवहन कच्चा रोड पर किया जाएगा जिससे धूल उड़ेगी और बाकी दूरी स्टेट हाईवे पर होगी जिससे वायु प्रदूषण नहीं होगा।
- अतिरिक्त उत्सर्जन को रोकने के लिए मशीनरी और वाहनों का नियमित रखरखाव किया जाएगा। काम के निर्दिष्ट घंटों के बाद डंपर और उत्खनन के नियमित ओवरहालिंग की एक प्रणाली विकसित की जाएगी और अप्रिय धुएं के उत्पादन से बचने के लिए मनाया जाएगा।
- ऊंचे पेड़ों वाली हरित पट्टी लगाई जाएगी। यह कणों को प्रतिबंधित करेगा और SO₂ और NO₂ की सांद्रता को कम करेगा।
- कच्ची सड़क के किनारे वृक्षारोपण और वैधानिक अवरोध आदि भी हवा के कटाव से मिट्टी की रक्षा करेंगे।

- डंपरों, पानी के टैंकरों आदि की आवाजाही के कारण धूल के निर्माण को रोकने के लिए काम की पाली के दौरान खदान के गड्ढे के मुख्य रैंप सहित सभी ढुलाई सड़कों को ठीक से बनाए रखा जाएगा और नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाएगा।
- उत्खनन और लोडिंग पॉइंट जैसे धूल पैदा करने वाले स्थानों पर लगे श्रमिकों को डस्ट मास्क प्रदान किया जाएगा।

1.7.8 यातायात घनत्व का प्रभाव.

अध्ययन क्षेत्र में यातायात घनत्व का पता लगाने के लिए पीएमजीएसवाई रोड के जंक्शन पर लगभग 4.23 किमी पूर्व दिशा की ओर और अछोली फर्शी पत्थर खदान के खनन स्थल को जोड़ने वाली सड़क को जोड़ने के लिए यातायात सर्वेक्षण किया गया था। यातायात की संरचना में दो पहिया, तीन पहिया, चार पहिया (यात्री कार) और चार पहिया जैसे ट्रक, लॉरी, बस आदि जैसे भारी वाहन शामिल हैं। ग्रामीण सड़कों पर विभिन्न प्रकार के वाहनों के लिए अनुशासित पीसीयू फैक्टर आईआरसी 64-1990 दिशानिर्देश से अपनाया गया है।

पलैगस्टोन के परिवहन के कारण अतिरिक्त यातायात भार के साथ सेवा का स्तर बी श्रेणी के भीतर रहेगा। तुलना इस प्रकार है-

मौजूदा और प्रस्तावित पीसीयू में सड़क की वहन क्षमता की तुलना

परियोजना स्थल से पीएमजीएसवाई रोड	मौजूदा यातायात भार			अनुप्रयुक्त परियोजना सहित कुल यातायात भार		
	पीसीयू की संख्या	वी / सी	एलओएस	पीसीयू की संख्या	वी / सी	एलओएस
	425.50	0.213	बी	515.50	0.260	बी

*नुकसान- सेवाओं का स्तर

निष्कर्ष- लोकल ट्रांसपोर्ट पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। महासमुंद के पीएमजीएसवाई रोड के लिए खदान स्थल के पास प्रस्तावित खदान से एलओएस मूल्य "बहुत अच्छा" हो सकता है। इसलिए, संबंधित सड़कों की वहन क्षमता पर अतिरिक्त भार का कोई महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव होने की संभावना नहीं है।

1.7.9 ध्वनि पर्यावरण पर प्रभाव

काम के माहौल में अपेक्षित शोर स्तर की तुलना व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रशासन (ओएसएचए-यूएसए) और सीपीसीबी-नई दिल्ली द्वारा निर्धारित मानकों के साथ की जाती है, शोर का स्तर स्वीकार्य सीमा में होने की उम्मीद है।

1.7.10 जल पर्यावरण पर प्रभाव

सतही जल मात्रा पर प्रभाव

सतही जल का उपयोग नहीं किया जाएगा और प्रस्तावित गतिविधि के कारण सतही जल की मात्रा पर प्रभाव का अनुमान नहीं है।

सतही जल की गुणवत्ता पर प्रभाव

प्रस्तावित ओपनकास्ट खनन कार्य से जल प्रदूषण हो सकता है। प्रदूषण के स्रोत आम तौर पर हैं—

- डंप से धो लें
- मृदा अपरदन

शमन के उपाय

ओपन कास्ट खनन गड्डों के साथ-साथ डंप पर, यह आवश्यक है कि कार्य क्षेत्रों की सीमा से बाहर गिरने वाले वर्षा जल को गड्डे और कार्य क्षेत्रों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसलिए खनन गड्डों और डंपों के चारों ओर माला नालियां विकसित करने का प्रस्ताव है ताकि सतही अपवाह जल को रोका जा सके और इसे खनन कार्यों के संपर्क के बिना निचली सिंकलाइनों की ओर मोड़ा जा सके।

जल की उचित निकासी के लिए लीज में खनन पट्टा क्षेत्र में गारलैंड ड्रेनेज का एक सेट बनाया जाएगा और पानी को सबसे निचले ढाल पर सिल्टेशन टैंक बनाकर जमा किया जाएगा जो क्षेत्र में पानी के भंडारण के साथ-साथ संग्रह का काम करेगा। गाद का। नियमित रूप से सिल्ट की सफाई कराई जाएगी।

भूजल मात्रा पर प्रभाव

जैसा कि आसपास के कुओं के साथ-साथ ग्रामीणों द्वारा भी गर्मी के दौरान 30 मीटर से नीचे और बरसात के मौसम में 25 मीटर के भीतर पानी का स्तर नीचे आ जाता है। चूंकि जल स्तर अधिकतम उत्खनन गहराई (9 मीटर) से नीचे है और निकटतम जल विज्ञान का प्रवाह या सीमा प्रस्तावित पट्टा क्षेत्र से बहुत दूर है इसलिए जल स्तर, जल प्रवाह या जल विज्ञान पर किसी प्रभाव का आकलन नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा खदान बंद करने की गतिविधियों से कोई सीवेज या अन्य अपशिष्ट उत्पन्न नहीं होगा, जिन्हें पानी पर छोड़ा जाना आवश्यक है। इसलिए किसी भी जल प्रदूषण का आकलन नहीं किया जा सकता है।

1.7.11 वनस्पतियों और जीवों पर प्रभाव

चूंकि खनन गतिविधियां केवल कोर जोन तक ही सीमित रहेंगी, कोर जोन में वनस्पतियों और जीवों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव अपेक्षित नहीं है। लीज क्षेत्र में वन्यजीवों के प्रवेश को रोकने के लिए लीज क्षेत्र के चारों ओर उचित फेंसिंग की जाएगी।

1.7.12 शीर्ष मिट्टी पर प्रभाव

फर्शी पत्थर (फ्लैगस्टोन) के खनन के दौरान ऊपर की मिट्टी उत्पन्न होगी और इसका उपयोग वृक्षारोपण के लिए किया जाएगा।

1.7.13 सामाजिक आर्थिक स्थिति पर प्रभाव

परियोजना स्थल के संदर्भ में सभी दिशाओं में स्थित अध्ययन क्षेत्र के भीतर नमूना गांवों में सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण किया गया था।

उत्तरदाताओं से परियोजना के बारे में उनकी जागरूकता/राय और परियोजना के प्रभावों के बारे में उनकी राय मांगी गई, जो सामाजिक-आर्थिक वातावरण का एक महत्वपूर्ण पहलू है, अर्थात्। नौकरी के अवसर, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन सुविधा और आर्थिक स्थिति।

1.8 पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम

हवा, पानी, मिट्टी और शोर के लिए खदान में प्रदूषकों की निगरानी की जाएगी। यह खदान की सभी निगरानी आवश्यकताओं का ध्यान रखता है। इसके अतिरिक्त खदान में परिवेशी वायु और कार्य क्षेत्र की निगरानी हर मौसम में खनन संचालन, लोडिंग और परिवहन (हौल रोड) क्षेत्रों के पास सरकार द्वारा अनुमोदित निजी एजेंसी द्वारा की जाएगी। हवाई निगरानी के विश्लेषण के परिणाम ठीक से दर्ज किए जाएंगे और समय-समय पर सांविधिक अधिकारियों को प्रस्तुत किए जाएंगे। खान उपकरणों का शोर माप वर्ष में एक बार किया जाएगा, परिवेशी वायु निगरानी एक मौसम में एक बार तीन स्थानों पर की जाएगी (1 अपविंड में, 1 डाउनविंड में, 1 लीज क्षेत्र में। परिवेशी ध्वनि निगरानी 3 स्थानों पर की जाएगी, 1 पट्टा क्षेत्र के भीतर, और 2 निकटतम निवास स्थान पट्टे के लिए। दो स्थानों पर मौसम में एक बार पानी की गुणवत्ता की निगरानी की जाएगी और अध्ययन क्षेत्र के भीतर 2 स्थानों पर वर्ष में एक बार मिट्टी की गुणवत्ता की निगरानी की जाएगी। कुल रु. 0.80 लाख/- प्रतिवर्ष पर्यावरण मानकों के अनुश्रवण पर व्यय किया जाएगा।

1.9 अतिरिक्त अध्ययन

1.9.1 जोखिम मूल्यांकन और आपदा प्रबंधन योजना

खनन कार्य के दौरान निम्नलिखित प्राकृतिक/औद्योगिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है-

- अत्यधिक वर्षा के कारण खदान के गड्ढे में पानी भर जाना।
- खदान के फेस या ढेर पर ढलान की विफलता।

प्रस्तावित कार्य के दौरान जल स्तर का सामना नहीं करना पड़ेगा। भूस्खलन, उप-बाढ़ आदि जैसी कोई उच्च जोखिम वाली दुर्घटनाएं नहीं हुई हैं। लेकिन आकस्मिक आपदा की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। अतः खान अधिनियम 1952, खान नियम 1955, एमएमआर-1961 के नियम और एमसीडीआर-1988 के नियमों के अनुसार त्वरित निकासी के लिए सभी वैधानिक सावधानियां बरती जाएंगी।

1.10 पर्यावरण प्रबंधन योजना

पर्यावरण प्रबंधन योजना परियोजना के प्रभावी पर्यावरण प्रबंधन को सुविधाजनक बनाने की दृष्टि से तैयार की गई है। पर्यावरण प्रबंधन योजना के अलावा, खान प्रबंधक, सुरक्षा अधिकारी और पर्यावरण अधिकारी से युक्त पर्यावरण प्रबंधन प्रकोष्ठ का गठन किया गया है।

1.11 परियोजना लाभ

खान पट्टा क्षेत्र के आसपास के निवासी मुख्य रूप से कृषि प्रधान हैं। रोजगार गतिविधियों के अवसर सृजित होंगे और खनन स्थायी आजीविका के स्रोत के रूप में काम करेगा। खदान प्रत्यक्ष

या परोक्ष रूप से रोजगार सृजित करेगी। अतिरिक्त, परिवहन जैसे कुछ कार्यों को अनुबंध पर आउटसोर्स किया जाएगा। इसलिए, खनन का समग्र प्रभाव सकारात्मक रहने की उम्मीद है।

